

वर्ष:- 05
अंक:- 270

मुरादाबाद
(wednesday)
21 January 2026

ਪ੍ਰ:-8

मूल्य:- 3.00 रूपया

दैनिक  प्रातः कालीन

मुसदाबाद से प्रकाशित

क्यू न लिखू सच

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ़ और उत्तराखंड

नितिन नवीन ने संभाला भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार, PM मोदी समेत ये नेता रहे मौजूद

भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन मंगलवार को आधिकारिक तौर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभाला। 14 दिसंबर 2025 को नितिन नवीन को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था। सोमवार को चुनाव प्रक्रिया को औपचारिकता पूरी होने के बाद भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नवीन के नाम पर आधिकारिक रूप से मुहर लग गई। भाजपा के नव निर्वाचित अध्यक्ष नितिन नवीन ने दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री

संक्षिप्त समाचार

**US में ट्रंप के खिलाफ
ब ग ा व त ? :
कैलिफोर्निया के गवर्नर
की यूरोप को सलाह-
टैरिफ पर धमकियों का
सख्ती से करें सामना**

ग्रीनलैंड विवाद और फिर यूरोपियन देशों की नाराजगी के बीच अब अमेरिका के भीतर ही ट्रंप के खिलाफ बगावत शुरू होती दिख रही है। कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूजॉम ने दावोस में यूरोप से ट्रंप के दबाव के आगे न झुकने की अपील की। ऐसे में सवाल यह खड़ा हो रहे कि क्या ट्रंप की नीति अमेरिका को ही दो हिस्सों में बांट रही है? क्या यूरोप अब खुलकर जवाब देगा? दुनिया भर में इन दिनों कई देशों के खिलाफ अमेरिक के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आक्रमक रवैया चिंता का विषय बनता जा रहा है। चाहे वो, वेनेजुएला पर कार्रवाई कर वहां के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी हो, ग्रीनलैंड पर कब्जे की बात, या फिर उनके इस काम में साथ ना देने वाले देशों के खिलाफ भर-भर के टैरिफ लगाने की धमकी। इन सभी कारणों से ट्रंप ने वैश्विक राजनीति में हलचल तेज कर दी है। हालांकि अब ऐसा लग रहा है कि ट्रंप के खिलाफ खुद उनके घर अमेरिका में ही बगावत शुरू हो गया है। इसका बड़ा कारण यह है कि टैरिफ धमकियों के खिलाफ अब कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूजॉम ने ट्रंप को दो टूक चेतावनी देते हुए यूरोपियन देशों को अहम संदेश दिया है। देने को कहा है। बता दें कि कैलिफोर्निया के गवर्नर का यह बयान स्विट्जरलैंड के दावोस में चल रहे वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) के दौरान आया।



अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और जेपी नड्डा उपस्थित थे। इस दौरान पीएम मोदी ने उनका मुंह मीठा कराया। पीएम मोदी ने नितिन नवीन के परिवार से भी मुलाकात की। नितिन नवीन ने अपने संबोधन में कहा कि हमने कार्यकर्ता के तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देशसेवा के काम करते हुए देखा। उन्होंने कहा कि आपको देख कर ही सीखा है कि जो व्यक्ति खुद को लोगों की भावनाओं से जुड़ने वाला बना सकता है, वही बड़ा शख्स बनता है। उन्होंने पीएम मोदी के साथ एक कार्यक्रम में बातचीत का जिक्र करते हुए कहा, %मुझे याद है कि जब मैंने पहली बार गुजरात के आनंद में आप के साथ एक कार्यक्रम में भाग लिया था। उस वक्त मैं राष्ट्रीय महासचिव था और मैंने सद्भावना मिशन कार्यक्रम के दौरान आपको प्रत्येक व्यक्ति की बात ध्यान से सुनते हुए देखा था। कार्यक्रम खत्म होने के बाद, जब आपने अपने ग्रीन रूम में हमसे बात की तो आपने बड़ी भावुकता से समझाया कि गुजरात से इतने सारे लोग क्यों आए थे। उस दिन मुझे समझ आया कि एक व्यक्ति तभी महान बनता है, जब वह जनता की भावनाओं से जुड़ता है।% उन्होंने कहा कि हम राष्ट्र प्रथम के नारे से आगे चलते हैं। हम ऐसे राजनीतिक दल से जुड़े हैं, जहां राजनीति सत्ता नहीं, साधना है। राजनीति भोग नहीं, त्याग है। राजनीति ऐशो-आराम नहीं, तपस्या है। राजनीति कोई पदभार नहीं, उत्तरदायित्व है। भाजपा अगर आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है तो प्रेरणादायी नेतृत्व, विचारधारा और कार्यकर्ता हैं। भाजपा के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने भारत माता की जय के साथ अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ भाजपा के सभी पूर्व अध्यक्षों का अभिन्दन किया। उन्होंने कहा, %भाजपा के विस्तार में योगदान देने वाले हमारे शीर्ष नेतृत्व ने मुझ जैसे साधारण कार्यकर्ता को पार्टी के सर्वोच्च पद तक पहुंचाने का

अवसर दिया है, इसके लिए मैं आप सभी को प्रणाम करता हूँ।% उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता आधारित राजनीति भाजपा की सोच है। भाजपा की सोच सर्वव्यापी और सर्वग्राही है। पीएम मोदी ने कहा कि कभी भाजपा ने एक अलग तरह की पार्टी के रूप में अपनी यात्रा शुरु की थी। आज भाजप सुशासन की पार्टी भी है। देश ने आजादी के बाद शासन के अलग-अलग मॉडल देखे हैं, कांग्रेस के परिवारवाद का मॉडल, लेफ्ट का मॉडल, क्षेत्रीय दलों का मॉडल, अस्थिर सरकारों का दौर... लेकिन आज देश, स्थिरता, सुशासन और संवेदनशीलता वाला भाजपा का विकास मॉडल देख रहा है। उन्होंने कहा, %ये भाजपा ही है जिसने सामाजिक न्याय के नारे को सच्चे स्वरूप में जमीन पर उतारा है। हमने गरीब कल्याण की योजनाओं को सरकारी फाइलों से निकालकर गरीब के घर तक पहुंचाया है। आजादी के 70 वर्ष बाद सिर्फ तीन करोड़ ग्रामीण परिवारों तक ही पाइप से पानी पहुंच पाया था। माताओं बहनों की पीड़ा, पानी के लिए उनके संघर्ष की सुध लेने वाला कोई नहीं था। वो दर्द मैंने देखा है। मैं धरती की सच्चाई से जुड़ा था। माताओं-बहनों की पीड़ा, अपनी आंखों के सामने देखी थी और तब हम %जल जीवन मिशन% लेकर आए हैं। सिर्फ 5-6 साल में 12 करोड़ से ज्यादा परिवारों को नल से जल की सुविधा से जोड़ा गया है।%प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने उत्तर भारत की उपेक्षा की। भाजपा ने उत्तर भारत को दिल से जोड़ा और दिल्ली से भी। उन्होंने कहा कि जिसे किसी ने पूछा नहीं, उसे मोदी ने पूजा है। उन्होंने कहा, %आगे भी हमें हर चुनौती का पूरे सामर्थ्य से सामना करना है। आज देश की समस्या बहुत बड़ी चुनौती घुसपैठियों की है। दुनिया के समर्थ देश भी अपने देश में घुसपैठियों की जांच पड़ताल कर रहे हैं और उनको पकड़-पकड़ कर निकाल रहे हैं। दुनिया में कोई अपने देश में घुसपैठियों को स्वीकार नहीं

करता, भारत भी घुसपैठियों को अपने गरीबों, युवाओं के हक लूटने नहीं दे सकता। घुसपैठिए देश की सुरक्षा के लिए बहुत बड़ा खतरा है, उनकी पहचान करके उन्हें वापस उनके देश भेजना बहुत आवश्यक है। इसके अलावा ऐसे राजनीतिक दल जो वोट बैंक की राजनीति में घुसपैठियों को बचा रहे हैं, उन्हें हमें पूरी शक्ति से जनता के सामने बेनकाब करना होगा। %पीएम ने कहा कि अटल जी, आडवाणी जी और मुरली मनोहर जोशी जी के नेतृत्व में बीजेपी ने शून्य से शिखर तक का सफर तय किया। इस सदी में एम. वेंकैया नायडू और नितिन गडकरी जैसे नेताओं के साथ-साथ हमारे कई वरिष्ठ सहयोगियों ने संगठन का विस्तार किया। राजनाथ सिंह के नेतृत्व में भाजपा ने पहली बार अपने दम पर पूर्ण बहुमत हासिल किया। फिर अमित शाह के नेतृत्व में भाजपा ने कई राज्यों में सरकारें बनाई और केंद्र में लगातार दूसरी बार सत्ता में आई। इसके बाद जेपी नड्डा के नेतृत्व में भाजपा पंचायत से लेकर संसद तक हर स्तर पर मजबूत हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, %बीते डेढ़-दो वर्षों में भाजपा पर जनता का भरोसा और मजबूत हुआ है। विधानसभा हो या स्थानीय निकाय, भाजपा का स्ट्रडक रेट अभूतपूर्व रहा है। इस दौरान देश में 6 राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए हैं, इनमें से 4 चुनाव भाजपा-एनडीए ने जीते हैं। आज भाजपा सिर्फ संसद और विधानसभा की ही नहीं, बल्कि नगरपालिकाओं और नगर निगमों में भी पहली पसंद है। इसका ताजा उदाहरण महाराष्ट्र है। भाजपा, महाराष्ट्र के स्थानीय निकायों में नंबर वन पार्टी बनी है। कुल 29 में से 25 बड़े शहरों की जनता ने भाजपा-एनडीए को चुना है। कुल जितने पाषंड जीते हैं, उनमें से 50 प्रतिशत भाजपा के हैं। ऐसे ही केरल में भाजपा के करीब 100 पाषंड हैं। ऐसे ही तिरुवनंतपुरम की जनता ने मेयर चुनाव में 45 साल बाद लेफ्ट से सत्ता छीनी और भाजपा पर भरोसा किया। % उन्होंने कहा कि भाजपा का

लगातार विस्तार हो रहा है। यह गर्व का विषय है। भाजपा लगातार सशक्त होती गई है। पीएम मोदी ने कहा, %भाजपा का कार्यकर्ता होना मेरा गर्व है। भाजपा में मेंबरशिप से ज्यादा रिलेशनशिप पर ध्यान दिया जाता है। 1% पीएम मोदी ने कहा कि जो लोग अपनी राजनीति की शुरुआत करना चाहते हैं, वो भी भाजपा को सबसे सुरक्षित मानते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि हमने सत्ता को सुख का नहीं, सेवा का माध्यम बनाया है। बीते 11 वर्षों की बात करें तो भाजपा ने हरियाणा, असम, त्रिपुरा और ओडिशा में पहली बार अपने सामर्थ्य से सरकार बनाई है। पश्चिम बंगाल और तेलंगाना में भाजपा जनता की बड़ी आवाज बनकर उभरी है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, %नितिन नवीन को केवल भाजपा ही नहीं, एनडीए के घटक दलों से भी समन्वय बनाना है। नितिन ने खुद को साबित किया है। 1% पीएम मोदी ने कहा कि आने वाले 25 वर्ष बहुत महत्वपूर्ण हैं। आने वाले वर्षों में विकसित भारत का निर्माण होना है और यह तय है। पीएम मोदी ने कहा कि नितिन नवीन मिलेनियल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नितिन नवीन को शुभकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने कहा कि नितिन नवीन को दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने कहा, %बीते कई महीनों से संगठन पर्व यानी पार्टी की छोटी-सी इकाई से लेकर अध्यक्ष चुनने की व्यापक प्रक्रिया शत-प्रतिशत लोकतांत्रिक तरीके से, भाजपा के संविधान की स्प्रिट को और उसमें बताई गई हर बात को ध्यान में रखकर लगातार चल रही थी, आज उसका विधिपूर्वक समापन हुआ है। संगठन पर्व का यह विशाल आयोजन, भाजपा की लोकतांत्रिक आस्था, संगठनात्मक अनुशासन और कार्यकर्ता केन्द्रित सोच का प्रतीक है। 100 वर्ष, ऐसे महापर्व हम मनाते रहे हैं। ये वे प्रेरणाएं हैं, जो देश के लिए जीने के हमारे संकल्प को और मजबूत करती हैं। हमारा नेतृत्व परंपरा से चलता है, अनुभव से समृद्ध होता है और जनसेवा-राष्ट्रसेवा के भाव से संगठन को आगे बढ़ाता है। 1% पीएम मोदी ने भाजपा के सभी पूर्व अध्यक्षों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि आज भाजपा का जितना फोकस संगठन के विस्तार पर है, उतना ही कार्यकर्ता के निर्माण पर भी है। उन्होंने कहा कि मैं मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री भी रहा, लेकिन मैं भाजपा का कार्यकर्ता रहा। उन्होंने कहा कि मैं कार्यकर्ता हूं और नितिन नवीन मेरे बांस हैं।

**चुनावी मोड़ में अखिलेश यादव,
बोले- यह 37 सांसद 2027 के
विधानसभा चुनाव में जीत दिलाएंगे**

2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले अखिलेश यादव चुनावी मोड मोड में आ गए हैं। लखनऊ में उन्होंने सभी सांसदों की बैठक की। लखनऊ में समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को सपा के सभी सांसदों की मीटिंग बुलाई। अखिलेश अपने सांसदों से आगामी चुनावी रणनीति और संगठन मजबूत करने की चर्चा की। हर संसदीय क्षेत्र की विधानसभा सीटों की स्थिति पर चर्चा हुई। इस दौरान अखिलेश यादव ने अपने सांसदों में कहा कि यह 37वां सांसद 2027 के विधानसभा चुनाव में जीत दिलाएंगे। हमने अहम बैठक की है.. समाजवादी पार्टी के सांसद जयिा उ रहमान बर्क ने कहा, हमने अहम बैठक की है ताकि हम मजबूती के साथ चुनाव लड़ें और अपनी सरकार बनाए। हमारी पार्टी मजबूत है और एक है। जनता के भरोसे और उनकी मदद से सभी सांसद मिलकर प्रयास करेंगे।

कि हम अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाए। अखिलेश ने कैट में विनय शंकर तिवारी को लगाकर दिए भविष्य के संकेत- सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ कैट विधानसभा क्षेत्र में संगठन को मजबूत करने और एसआईआर

**महाराष्ट्र में जीत पर ओवैसी बोले-
यह किस्मत नहीं मेहनत, घुसपैठ
समेत इन मुद्दों की खुलकर बात**

ओवैसी ने महाराष्ट्र निकाय चुनाव में 125 सीटें जीतने पर खुशी जताई और इसे मेहनत का नतीजा बताया। उन्होंने बीजेपी से मिलीभगत के आरोपों को खारिज किया। साथ ही घुसपैठ, बेरोजगारी और मांब लॉचिंग के मुद्दे पर मोदी सरकार को घेरा एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने महाराष्ट्र नगर निकाय चुनावों में पार्टी की जीत को किस्मत बताने वालों को कड़ा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि यह कहना वोटरों का अपमान है, जो लोग ऐसी बातें कह रहे हैं, वे सिर्फ अपने घमंड की वजह से ऐसा कर रहे हैं। वे कभी नहीं सुधरेंगे। महाराष्ट्र में मिली जीत को बताया मेहनत - महाराष्ट्र निकाय चुनावों में मनसे और एनसीपी-एससी से ज्यादा सीटों मिलने पर ओवैसी ने कहा कि हम वहां कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हम मीडिया और जनता को एक ही संदेश देते हैं, और उसका जनता पर असर होता है। जब उनसे पूछा गया कि क्या इस प्रदर्शन के बाद वे महाराष्ट्र में मुसलमानों के सबसे बड़े नेता



संबंधी कामों पर निगरानी के लिए पूर्व मंत्री हरिशंकर तिवारी के पुत्र पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी को लगाकर भविष्य की अपनी रणनीति का संकेत दे दिया है।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक कैट विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के विधायक हैं। सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की ओर से इस संबंध में महानगर अध्यक्ष फाखिर सिद्दीकी को पत्र भेजा गया है। पत्र मिलने की पुष्टि करते हुए सिद्दीकी ने अमर उजाला को बताया कि 'कैट' में हम पूरी दमदारी से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। विनय शंकर तिवारी को मिल सकती ये सीट- सपा नेतृत्व के इस पत्र में कहा गया है कि अखिलेश यादव के निर्देश पर पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी व पूर्व मंत्री तेज नारायण उर्फ पवन पांडेय को लखनऊ महानगर की कैट विधानसभा क्षेत्र में लगाया गया है। इन्हें संगठनात्मक ढांचा मजबूत करने

के साथ एसआईआर के तहत फार्म नंबर 6, 7 व 8 का काम पूर्ण करने और आपत्तियों के निस्तारण के लिए प्रभारी भी बनाया गया है। लखनऊ की कैंट विधानसभा सीट ब्राह्मण बहुल मानी जाती है। इस विधानसभा सीट से भाजपा के टिकट पर वर्ष 2022 में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक चुनाव जीते थे। पाठक और विनय शंकर तिवारी कभी बसपा में साथ-साथ थे। सपा द्वारा विनय शंकर तिवारी को कैंट विधानसभा क्षेत्र की जिम्मेदारी दिए जाने के बाद इसे आगामी विधानसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। सपा नेतृत्व ने बरेली जिला कार्यकारिणी को अध्यक्ष समेत भंग कर दिया है। सपा सूओं के मुताबिक, जल्दी ही वहां नई कमेटी का गठन होगा। इसके लिए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने होमवर्क पूरा कर लिया है। समाजवादी पृष्ठभूमि के इसने कार्यकर्ता को नया जिलाध्यक्ष बनाया जाएगा।



तरीका था? महाराष्ट्र निकाय चुनावों में जीत पर क्या कहा?—महाराष्ट्र निकाय चुनावों के नतीजों पर उन्होंने बताया कि पार्टी ने 125 सीटें जीती हैं, जबकि पहले यह संख्या करीब 75 थी। उन्होंने कहा कि जीत तभी मिलती है जब आप जनता का दिल जीतते हैं। हजाब पहनने वाली महिला को प्रधानमंत्री बनते देखने के अपने सपने का भी जिक्र किया। उन्होंने पूछा कि क्या ऐसा सपना देखना गुनाह है? भारत का संविधान हमें नहीं रोकता। जिसे इससे दिक्कत है, वह पाकिस्तान की भाषा बोल रहा है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा, जो लोग एआईएमआईएम को सिर्फ धर्म के चरम से देखते हैं, वे बहुत बड़ी गलती कर रहे हैं। आगामी चुनावों पर क्या बोले एआईएमआईएम अध्यक्ष? एआईएमआईएम अध्यक्ष अमरुदुद्दीन औवैसी ने पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में चुनाव लड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि अपनी पार्टी के नेताओं से बात करने के बाद सही समय पर फैसला लिया जाएगा।

संपादकीय Editorial

In Search of a Government

If the Himachal government's pledges are seeking a new identity, some of its intentions lend themselves to a more positive image for the Sukhu government. If today's Himachal Pradesh begins to examine the new criteria adopted by the government, beyond traditional decisions, new inscriptions will emerge, grounded in bitter sips. However, Himachal has witnessed a slew of attempts to test and cajole governments, preventing their attempts to repeat. The public benefits, the window to indiscriminate development, and the handouts distributed to the public sector are all discarded in the political divide. What remains are inscriptions and resentment in the face of alternatives. So, what and how much has the state seen from the current government's decisions? The Sukhu government's decisions are now revealing their true nature, driven by the need to showcase what it has seen, to deliver what it has done, and to establish what is in store. We can make many changes to the system, where tough decisions can be made between good intentions and bad policies. However, the government's strictness and acrimony after Shanta Kumar's tenure have certainly loosened some knots. For example, if the government is able to do and show something in the most dire moments of economic challenges, then every argument is being criticized. It's a different matter that the Congress party has its own stronghold, Shikhandi, between power and politics. The government's cordiality suggests a gentle touch for the Children of the State, the disabled, and the helpless, while the emergence of a campaign like "Intkaal" from the rusty files of the Revenue Department, the letter of tough decisions, activates the entire department. While it's not easy to assemble a family of relief from straws in a disaster-stricken environment, at least sprinkling perfume on basic issues is a hopeful goal. In this pursuit, the government has changed its methods and points of view to run the state, and some advances have been made in the field of tourism. In this context, the expansion of Kangra Airport appears poised to transcend the next century. Even though the current economic crisis is creating obstacles to development in the state, the government's financial support for the Kangra Airport project is a welcome achievement. Similarly, the implementation of 77 eco-projects on the ground is a testament to the demonstrated willpower. Furthermore, if the Bhakra-Pong reservoirs, despite the pain of displacement, are engaged in creating water tourism destinations, their role as a flight to cross the ocean of economic self-reliance is also effective. If the state moves beyond the clichés of green energy, a revolution could emerge through electric taxis and electric buses. While the HRTC buses in their current form are a nuisance, the message of a green state is still prominent over the expensive electric buses. While some new carnivals and various events are poised to establish a lasting tradition in the touristic state, an artistic vision is needed along with the environment. The state's announced information technology initiative still needs to be refined. It would be better if Himachal Pradesh creates employment opportunities by moving towards soft professions. Adding at least half a dozen more to the stalled Chaitud IT Park, and establishing a Film City and Film and TV Institute would increase employment opportunities. With the slogan of systemic change, the Chief Minister has demonstrated his skill in generating new headlines, but who knows how long the boats will spend in the sea of ??politics. Some whirlpools are visible, this battle of the heavens as it passes through the water.

India, shaping its future, becomes the world's fourth-largest economy

In 2025, India implemented significant reforms in trade and industry, boosting startups and driving record growth in exports. India has now become the world's fourth-largest economy, aiming to build a 'developed India.' FTAs, increased FDI, and labor reforms have helped the country become self-reliant. India became the world's fourth-largest economy, recording record exports of \$825.25 billion. Several laws were simplified to facilitate trade. The year 2026 brings renewed confidence and optimism to India's commerce and industry landscape. The decisive steps taken in 2025 further strengthened Prime Minister Modi's mission to accelerate trade and investment, increase global market access for small businesses and startups, create jobs, and promote ease of living for every citizen. A key initiative of the Modi government has been the promotion of startups. Today, there are over 200,000 government-recognized startups in India. The objective of supporting startups is to accelerate economic growth, create employment opportunities, and improve the living standards of every citizen, especially the poor. Today, India is being recognized globally as a reliable and trustworthy business partner. Despite global uncertainties, India's total exports are expected to grow by six percent to a record US\$825.25 billion in fiscal year 2024-25. To further support exporters, the government has announced an export promotion mission of ₹25,060 crore. The Repealing and Amendment Act, 2025, repealed 71 outdated and irrelevant laws, some dating back to 1886. Under the Jan Vishwas initiative, the Modi government removed several criminal provisions related to minor violations. These reforms improve governance, enhance ease of doing business, and ensure that India's legal system is in line with the modern economy. Last year, during the monsoon session of Parliament, five landmark bills related to shipping and ports were passed. These laws have simplified documentation, facilitated dispute resolution, and significantly reduced logistics costs. On the commercial front, the Directorate General of Foreign Trade has actively supported exporters through transparent and supportive policies. These initiatives have given a new impetus to the entrepreneurship of traders, startups, and small entrepreneurs. The core of India's trade and investment strategy is to empower local entrepreneurs, especially small businesses, startups, farmers, and artisans, and enable them to achieve global success. Under this strategy, India signed three free trade agreements (FTAs) last year, providing duty-free access for Indian products to developed markets such as the UK, New Zealand, and Oman. These FTAs ??are also part of the reform process. Unlike the UPA government, the Modi government has prioritized balanced and beneficial agreements with developed countries. These FTAs ??will accelerate job creation, increase investment, and open transformative opportunities for small businesses, students, women, farmers, and youth. In addition to the existing free trade agreements, the 2024 FTA with the European Free Trade Association (AFTA) comprising Switzerland, Norway, Iceland, and Liechtenstein is now in force. All FTAs ??protect India's agriculture and dairy sectors, including agreements with major global dairy exporters like New Zealand and Australia. These agreements benefit Indian exports through accelerated or accelerated tariff elimination, while maintaining a balanced and phased market opening in India. New Zealand has committed US\$20 billion in foreign direct investment over the next 15 years, mirroring the innovative investment-related provisions adopted by India in its free trade agreements with AFTA countries. This investment will support agriculture, dairy, MSMEs, education, sports, and youth development, ensuring inclusive and broad-based growth. In the last 11 fiscal years up to 2024-25, India attracted US\$748 billion in foreign direct investment, nearly two and a half times the US\$308 billion received in the previous 11 years. This is significant because the Modi government inherited an economy once considered one of the Fragile Five. Through corruption-free governance, bold reforms, and fiscal discipline, it has made India a preferred destination for business and investment. India concluded 2025 with a significant achievement, surpassing Japan to become the world's fourth-largest economy and now rapidly progressing towards overtaking Germany. To enhance workers' benefits, the Modi government has implemented historic labor reforms, consolidating 29 fragmented laws into four modern labor codes. These aim to ensure fair wages, timely payments, social security and protection, and increase women's participation in the workforce. GST reforms have benefited every Indian citizen, creating a clean two-slab structure. This will ease the burden on households, MSMEs, farmers, and labor-intensive sectors. 2025 has been a year of bridge-building. More encouraging steps are ahead. A panel led by NITI Aayog member Rajiv Gauba is studying comprehensive reforms, which will be in line with the Prime Minister's vision. It will further accelerate the 'Reform Express'. India's goal is clear: to build a 'Developed India' through competitive trade, innovative industry, and a strong, self-reliant economy. The success of India's exporters, manufacturers, farmers, and service providers is the success of the nation. India is not just preparing for the future, it is shaping it. With decisive leadership, bold reforms, and a clear global strategy, India is engaging with the world as a strong, self-reliant, and credible nation on its own terms.

The American education system teaches a lesson: Students are taking loans.

Most students pursuing higher education in the United States take out substantial loans, amounting to billions and taking decades to repay. The decline in job opportunities and the growing influence of AI are exacerbating this problem. Indian families make sacrifices for education, while debt burden and loneliness are increasing in American society. This situation holds an important lesson for Indians. American students incur massive education debt, running into billions of dollars. AI and job shortages have made repaying loans difficult. Indian families make sacrifices for education, while debt in America. According to statistics, 61% to 83% of students attending private universities in the United States take out loans. Colleges run by 54% to 61%, while public institutions Center for Education Statistics, the Education, this debt burden continues reached billions. The interest rates student in America had a debt of Generally, middle-class children are Maryland, Georgia, and Virginia take after they get jobs. Most students pay essence, a large part of their life is spent Gurumurthy recently explained in an taking loans, whereas Indians children's education. In fact, every Indian parent wants their children to be well-educated. To achieve this, they risk all their resources, sometimes even selling their farmland. If they have to take out a loan, they take the responsibility themselves. A few years ago, I met an American working in Geneva who was over fifty years old but was still repaying his education loans. He said he didn't earn enough to support his family and pay the monthly installments on his education loans. In the US, loan installments typically last from ten to thirty years. It's said that once trapped in debt, one remains trapped for life. More years spent repaying a loan also means paying more interest. It's not hard to imagine why many children in America drop out after school because they can't afford higher education. Therefore, many young people take up jobs. Education, which is supposed to be available to everyone, isn't actually so. These days, fears of the advent of artificial intelligence (AI) are causing employment opportunities in the US to steadily decline. Large companies are laying off thousands of people. Those who are not American citizens, when they take their CVs to job fairs, are asked the first question: are they American citizens? If they say no, their CVs are returned without even looking at them. Most of these people are American-educated individuals. Many may have even taken out loans to study. When there are no jobs there, how will students repay their loan installments? It seems the time will soon come when students will stop pursuing higher education because there is no guarantee of a job. What will happen to those universities that boast of their fame and charge exorbitant fees from students? If students don't come to study there, they won't take out loans. Obviously, the companies that provide loans will also disappear. Unlike America, the Indian people's devotion to family is unparalleled. Even today, many families here have three generations living together, whereas this is impossible in America. This is the case not only in America, but in many Western countries. Loneliness is presented as a rosy picture there. Children live alone. Even parents and grandparents live alone in old age. In the West, care is linked to money, giving rise to the care economy. But here, it is the family that rushes first in times of crisis. Indian parents forego their own comfort and focus on the well-being of their children. It's not that the importance of family is unrecognized in America. The wife of former US Vice President Al Gore has been championing the return of the family since 1993. President Trump repeatedly highlighted the importance of family in his election campaign. But no matter how much the West harps on the return of the family, it will never return. We Indians can certainly learn a lesson from this situation of American society and students.



मुरादाबाद में दिल दहला देने वाली घटना, कुत्तों के झुंड ने 3 साल की मासूम को नोच-नोचकर मार डाला



क्यूँ न लिखूँ सच / मुरादाबाद के डिलारी थाना क्षेत्र के काजीपुरा गांव में कुत्ते बच्ची को तालाब के किनारे खींचकर ले गए। कुत्तों ने बच्ची को नोच-नोचकर मार डाला। मुरादाबाद के डिलारी थाना क्षेत्र के काजीपुरा गांव में सोमवार की शाम घर के बाहर खेल रही तीन साल की मासूम पर कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। कुत्ते उसे खींचकर तालाब के

परिजन और ग्रामीण उसकी तलाश करते हुए तालाब के पास पहुंचे तो उन्होंने देखा कि कुत्तों का झुंड बच्ची को नोच नोच कर खा रहा था। लोगों ने लाठी डंडों से कुत्तों को भगाया लेकिन तब तक बच्ची की मौत हो चुकी है। कुत्ते एक पैर पूरी तरह से खा चुके थे। जिसके बाद किसी तरह कुत्ते को वहां से भगाया लेकिन तब तक बच्ची की दर्दनाक मौत हो चुकी थी, आसपास में हर तरफ सिर्फ खून ही खून हो रहा था। सूचना मिलते ही थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गयी और शव की पोस्टमार्टम की बात कही, लेकिन परिजनों ने बेटी के शव का पोस्टमार्टम कराने से साफ इंकार कर दिया, परिजनों ने मंगलवार सुबह बच्ची को दफन कर दिया। लेकिन घटना इतनी दर्दनाक है कि जो सुने उसके पैरों के नीचे से जमीन खिसक जाए. गांव में आवारा कुत्ते को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है. वहीं ग्रामीण अपने बच्चों को लेकर खौफ में हैं. अब देखना यह होगा की आगे इसमें प्रशासन की तरफ से आवारा कुत्तों से ग्रामीणों को निजात दिलाने के लिए क्या उचित कार्रवाई की जाती है।

आयकर रिटर्न की अंतिम तारीख समाप्त, अब नहीं मिलेगा रिफंड, टैक्स से संबंधित सभी बात जानें

आयकर रिटर्न की अंतिम तिथि 31 दिसंबर समाप्त हो गई है। इसके बाद भी जिन करदाताओं ने रिटर्न नहीं भरा है वह आईटीआर-यू के तहत रिटर्न दाखिल कर सकते हैं। लेकिन वह रिफंड का दावा नहीं कर सकेंगे। आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि समाप्त हो गई है लेकिन कुछ आयकर दाताओं ने रिटर्न नहीं भरा है। ऐसे लोग अब आईटीआर यू भरेंगे लेकिन रिफंड का दावा नहीं कर सकते हैं। कर निर्धारण वर्ष 2025-26 का आयकर रिटर्न फाइल करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर थी लेकिन काफी संख्या में करदाता समय से अपना आयकर रिटर्न नहीं भर सके हैं। आयकर एवं जीएसटी के अधिकता गौरव गुप्ता का कहना है कि ऐसे करदाता आईटीआर यू के तहत अपना आयकर रिटर्न अब भी भर सकते हैं। इसके अतिरिक्त करदाता 2021-22 से कर निर्धारण वर्ष 2024-25 का भी आयकर रिटर्न आईटीआर यू के माध्यम से दाखिल कर सकते हैं। यदि कोई करदाता अपने आयकर रिटर्न में बदलाव करना चाहता है और अपनी आय बढ़ा कर दिखाना चाहता है तो अतिरिक्त टैक्स देना पड़ेगा। यदि कोई करदाता अपने पिछले रिटर्न में अपनी आय में कमी करना चाहता है तो ऐसा नहीं किया जा सकता है। आईटीआर यू के तहत रिफंड का दावा नहीं किया जा सकता है। बहुत सारे करदाता ऐसे हैं जिनका टीडीएस कटा हुआ है लेकिन उन्होंने अपना आयकर रिटर्न 31 दिसंबर तक नहीं भरा है, ऐसे करदाताओं को रिफंड अब नहीं मिलेगा। आयकर रिटर्न भरने से पूर्व करदाता को अपना फॉर्म 26 एस और एआईएस अवश्य चेक कर लेना चाहिए। कर निर्धारण वर्ष 2021-22 में पांच लाख से अधिक आय होने पर पांच हजार लेट फीस और कुल कर दायित्व का 70 प्रतिशत अतिरिक्त टैक्स देना होगा। कर निर्धारण वर्ष 2022-23 में पांच लाख से अधिक आय होने पर पांच हजार लेट फीस सहित कुल कर दायित्व का 60 प्रतिशत अतिरिक्त टैक्स देना होगा। इसी प्रकार 2023-24 में पांच हजार लेट फीस के साथ कुल कर दायित्व का 50 प्रतिशत अतिरिक्त टैक्स देना होगा। इन वर्षों में यदि आय पांच लाख से कम है तो सिर्फ एक हजार की लेट फीस देनी होगी।

अमेरिकी टैरिफ की मार... मुरादाबाद में डेढ़ लाख कामगार बेरोजगार, छह महीने से लगातार गिरता जा रहा निर्यात

अमेरिका की तरफ से लगाए गए टैरिफ का असर हस्तशिल्प निर्यात पर लगातार पड़ रहा है। इससे ऑर्डर घटने के कारण फैक्टरियां हफ्ते में दो दिन बंद की जा रही हैं और कामगारों की छंटी हो रही है। पिछले छह माह में निर्यात में 25-30 प्रतिशत गिरावट आई है। इससे मुरादाबाद के निर्यातक परेशान हैं। अमेरिका के टैरिफ की मार का असर निर्यातकों के साथ-साथ कारीगरों पर भी पड़ने लगा है। हस्तशिल्प उत्पादों के ऑर्डर घटने से अधिकांश निर्यातकों ने हफ्ते में दो दिन फैक्टरी बंद रखने का रास्ता पकड़ लिया है। साथ ही काम करने वालों का बाहर का रास्ता दिखाना शुरू कर दिया है। इसका ज्यादा असर उन कारीगरों और कामगारों पर पड़ रहा है, जो प्रभावित फैक्टरियों के लिए काम करते हैं। जानकार बताते हैं कि छह माह से निर्यात में लगातार गिरावट से करीब डेढ़ लाख कामगार बेरोजगार हो गए हैं। निर्यात क्षेत्र का अनुभव रखने



वाले बताते हैं कि पिछले साल हस्तशिल्प उत्पाद के कारोबार से करीब 5.50 लाख लोग जुड़े थे। इनमें से अब केवल 3.85 लाख कामगारों के पास ही रोजगार बचा है। फैक्टरियों से जुड़े लोगों में से छह माह में करीब डेढ़ लाख कामगारों की सेवा खत्म हो चुकी है। निर्यातक अजय गुप्ता का कहना है कि जिले में छह हजार से अधिक फैक्टरियों में हस्तशिल्प उत्पाद तैयार किए जाते हैं। छह महीने के भीतर 25 से 30 प्रतिशत निर्यात घट गया है। पिछले छह महीने में पीतलनगरी के कुल कारीगरों में से 30

में दो दिन काम बंद रहता है। उनका कहना है कि अगर अमेरिका की 50 प्रतिशत टैरिफ की मार जारी रही तो आने वाले एक साल में हस्तशिल्प उत्पादों का निर्यात खत्म होने की कगार पर पहुंचने का खतरा है। वह अमेरिकी टैरिफ के साथ धातुओं की महंगाई को भी काम पर असर का बड़ा कारण मान रहे हैं। 40 प्रतिशत ऑर्डर मिलते हैं अमेरिका से जिला उद्योग केंद्र के मुताबिक पीतलनगरी से हर साल 10437 करोड़ रुपये के हस्तशिल्प उत्पादों का निर्यात किया जाता है। बीते साल यह निर्यात 30 प्रतिशत कम हुआ है। करीब सात हजार करोड़ रुपये के ही उत्पादों का निर्यात हो पाया। एमएचईए के प्रेसिडेंट नावेद उर रहमान ने बताया कि कुल निर्यात के 40 प्रतिशत हस्तशिल्प उत्पाद निर्यात के ऑर्डर अमेरिका से मिलते हैं। अमेरिकी खरीदारों ने तीन महीने से ऑर्डर होल्ड कर दिए हैं। राॅ-मैटेरियल की कीमतें लगातार बढ़ने से 2.75 प्रतिशत सबवेंशन

स्कीम का कोई फायदा नहीं मिल पाएगा। विदेशों में स्टोर खोलने से निर्यात नहीं बढ़ेगा, क्योंकि बड़ी फैक्टरियों को बड़े ऑर्डर की जरूरत है न की 10 से 15 पीस के ऑर्डर की। अमेरिका से ही सबसे ज्यादा ऑर्डर मिलते थे। पांच-छह महीने इसी तरह की स्थिति रही तो लाखों का नुकसान उठाना पड़ेगा। -अजय गुप्ता, निर्यातक फैक्टरियों में ठेके पर काम करने वाले कारीगरों को सबसे ज्यादा नुकसान है। ऑर्डर कम मिलने से उन्हें समय से काम नहीं मिल पा रहा है। कई ठेकेदार तीन महीने से खाली बैठे हुए हैं। निर्यातकों के पास ऑर्डर नहीं है कि उन्हें काम दे सकें। बड़ी फैक्टरियां चलाने में हर महीने औसतन 50 लाख रुपये तक खर्च आता है। इन फैक्टरियों को करोड़ों का ऑर्डर चाहिए। यह तभी संभव होगा जब विदेशों में शांति और ज्यादा महंगाई न हो। - सतपाल, सचिव, द हैंडीक्राफ्ट्स एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन

अमेरिका समेत अन्य देशों में ऑर्डर को लेकर खरीदारों से बातचीत चल रही है लेकिन कोई फायदा नहीं है। राॅ-मैटेरियल के बढ़ते दाम और अमेरिका टैरिफ की स्थिति से ऑर्डर कम मिल रहे हैं। इससे फैक्टरी चलाना मुश्किल हो रहा है। छह महीने में हजारों लोग बेरोजगार हुए हैं। अगर ऐसा ही चलता रहा तो आने वाले समय में समस्याएं और बढ़ जाएंगी। - विभोर गुप्ता, संचालक, डिजाइनको अमेरिकी टैरिफ की वजह से पुराने आर्डर होल्ड पर हैं। पुराने माल की स्प्लाई मुश्किल हो गई है। अमेरिका के लिए अब 30 प्रतिशत निर्यात का औसत है। अमेरिकी खरीदारों का कहना है कि उनके यहां हस्तशिल्प उत्पादों का पुराना स्टॉक नहीं बिका है। इसकी वजह से वह ऑर्डर नहीं दे रहे हैं। पुराना स्टॉक क्लियर होने पर ही ऑर्डर मिल पाएंगे। - मोहम्मद अख्तर शम्सी, चेयरमैन, पैरामाउंट होम कलेक्शंस

संक्षिप्त समाचार

ऋषिकेश से गंगासागर तक चलेगी भारत गौरव ट्रेन, मुरादाबाद से कर सकेंगे सफर, पुरी-अयोध्या के भी दर्शन

आईआरसीटीसी 18 से 27 फरवरी तक भारत गौरव ट्रेन चलाने जा रहा है। इस मुरादाबाद मंडल के पांच स्टेशनों से यात्री सवार हो सकेंगे। 10 दिन की यात्रा में गया, पुरी, कोणार्क, कोलकाता, गंगासागर, बैद्यनाथ धाम, वाराणसी और अयोध्या के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) बहुत जल्द भारत गौरव ट्रेन चलाने जा रहा है। मुरादाबाद समेत मंडल के पांच स्टेशनों से यात्री इस टूरिस्ट ट्रेन में सफर कर सकेंगे। श्रद्धालुओं और पर्यटकों को पुरी, कोलकाता और गंगासागर सहित कई प्रमुख धार्मिक स्थलों की यात्रा का अवसर मिलेगा। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) बहुत जल्द भारत गौरव ट्रेन चलाने जा रहा है। मुरादाबाद समेत मंडल के पांच स्टेशनों से यात्री इस टूरिस्ट ट्रेन में सफर कर सकेंगे। श्रद्धालुओं और पर्यटकों को पुरी, कोलकाता और गंगासागर सहित कई प्रमुख धार्मिक स्थलों की यात्रा का अवसर मिलेगा। मुरादाबाद के यात्री इस ट्रेन से गया, पुरी, कोणार्क, कोलकाता, गंगासागर, बैद्यनाथ धाम (जसीडीह), वाराणसी और अयोध्या की यात्रा कर सकेंगे। यात्रा के दौरान गया के विष्णुपद मंदिर, पुरी जगन्नाथ मंदिर, कोणार्क सूर्य मंदिर, गंगासागर, बैद्यनाथ धाम, काशी विश्वनाथ मंदिर और अयोध्या में राम मंदिर, हनुमानगढ़ी व सरयू आरती के दर्शन कराए जाएंगे। आईआरसीटीसी ने यात्रियों के लिए स्लीपर, थर्ड एसी और सेकेंड एसी श्रेणियों में कुल 767 बर्थ उपलब्ध कराई हैं। पैकेज में ट्रेन यात्रा के साथ नाश्ता, दोपहर और रात का खाना, एसी व नॉन-एसी बसों से स्थानीय भ्रमण की सुविधा शामिल है। आईआरसीटीसी के क्षेत्रीय प्रबंधक अजीत कुमार सिन्हा के मुताबिक स्लीपर क्लास (इकोनॉमी श्रेणी) का पैकेज 19,110 रुपये प्रति व्यक्ति है। थर्ड एसी (स्टैंडर्ड) का 31,720 रुपये और सेकेंड एसी (कंपर्ट) का 41,980 रुपये प्रति व्यक्ति निर्धारित किया गया है। इस यात्रा का किराया पर्यटक एलटीसी और ईएमआई के जरिए भी चुका सकते हैं।

पति फोन पर महिलाओं से करता है बात, पत्नी से करवाना चाहता है देह व्यापार, विरोध पर पीड़िता को घर से निकाला

मुरादाबाद निवासी महिला ने पति पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उसका कहना है कि पति लगातार दूसरी महिलाओं से बात करता है। इसके अलावा वह देह व्यापार के लिए दबाव बना रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कटघर थाना क्षेत्र में रहने वाली महिला ने अपने पति पर देह व्यापार के लिए दबाव बनाने और ससुरालियों पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर पति समेत छह लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की है। कटघर थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में महिला ने बताया कि उसकी शादी 22 अक्टूबर 2024 को कटघर क्षेत्र में रहने वाले युवक के साथ हुई थी। दंपती की तीन माह की एक बेटी है। पीड़िता ने बताया कि शादी के बाद से ही ससुराल में पति, सास, ससुर और, ननद देवर ने दहेज के लिए उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया था। पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपियों ने उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया था। इसके बाद पीड़िता अपने मायके चली गई थी लेकिन कुछ दिन बाद ही पति समझौता होने पर उसे बुलाकर ले गया था। ससुराल में पहुंचने के बाद फिर से पीड़ित को पीड़ित करना शुरू कर दिया। पीड़िता का आरोप है कि पति फोन पर दूसरे लोगों से बात करता रहा है। पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपी ने उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया है। एसपी सिटी कुमार रण विजय ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर पति समेत छह लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001 (उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

इयँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

पांचाल महोत्सव में कैबिनेट मंत्री जी के द्वारा मिला कलाकारों को सम्मान



क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। पांचाल महोत्सव समिति अहिच्छत्र के द्वारा आयोजित भगवान पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र की पावन धरा पर 3 दिवसीय पांचाल महोत्सव में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा पंजीकृत नव ज्योति नृत्य नाट्य संस्था बरेली निर्देशिका हरजीत कौर एवं वीर विजय नृत्य नाट्य संस्था बरेली के निर्देशक रवि प्रकाश सक्सेना के निर्देशन में पांचाल महोत्सव सांस्कृतिक मंच पर कलाकारों ने भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देते हुए हजारों की संख्या में पथारे दर्शकों की सराहना बटोरी, साथ ही कार्यक्रम के मुख्य

अतिथि कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार माननीय धर्मपाल सिंह की के द्वारा कलाकारों को सम्मानित किया गया, सम्मानित कलाकारों में हरजीत कौर, रवि प्रकाश सक्सेना, गोपाल श्रीवास्तव, गुड्डु सागर, प्रदीप कुमार, आकाश सक्सेना, महेशानंद, रिया तिवारी, आशा दिवाकर, राखी यादव, दीपक चौधरी विश्राम सिंह, अतुल मौर्य, रमेश अटल ने सम्मान पाकर माननीय कैबिनेट मंत्री जी एवं पांचाल महोत्सव समिति के अध्यक्ष ब्लॉक प्रमुख यशवन्त सिंह सहित समस्त पदाधिकारीगण का आभार प्रकट किया।

कमरे में अंगीठी जलाकर जलाकर सोए बुजुर्ग दंपति की मौत



क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना प्रेमनगर क्षेत्र के जनकपुरी में रविवार रात कमरे में अंगीठी जलाकर सोए दंपती उमाशंकर सक्सेना (98) व उनकी पत्नी कामिनी देवी (78) की मौत हो गई। परिजनो ने पुलिस को सूचना दिए बगैर अंतिम संस्कार कर दिया। जनकपुरी निवासी सेवानिवृत्त बीडीओ उमाशंकर सक्सेना व उनकी पत्नी कामिनी

देवी रविवार रात अपने कमरे में अंगीठी जलाकर सोए थे। सुबह परिजनो ने कमरे से धुआं निकलते देखा तो घर में अफरा-तफरी मच गई। शोर मचाने पर परिजन पहली मंजिल पर पहुंचे तो उमाशंकर सक्सेना झुलसे पड़े थे, जबकि उनकी पत्नी बिस्तर पर अचेत पड़ी थीं। मौके पर पहुंचे चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। उमाशंकर सक्सेना के चार बेटे थे, जिनमें

श्रीहरि मंदिर में हनुमान जी जयघोष से गुजनमय हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। श्री हरि मंदिर मॉडल टाउन बरेली में मंगलवार को भक्तों की अपार भीड़ उमड़ी। सुबह के सत्र में मंदिर के पंडित सुनील शास्त्री के द्वारा श्री हनुमान जी का विधिवत पूजन व श्रृंगार किया गया। भक्तजनों द्वारा मंगलवार को अपनी अपनी मनोकामना पूर्ति हेतु पधारते है और श्री हनुमान जी की पूजा करते है। शाम के सत्र में श्री हरि संकीर्तन श्री हरि संकीर्तन मंडल द्वारा भजनों की रसधारा बहाई गई जिस मे रवि छाबड़ा ने है दुःख भंजन मारुति नंदन.....संजय आनन्द ने 'मंगल मूर्ति राम !दुलारे ,पंकज ने आज मंगलवार है ,सचिन सेठी ने कीजे केसरी के लाल ...और भाई सौरभ ने राम भी मिलेगे तुझे श्याम भी मिलेगे। उसके



बाद सभी उपस्थित भक्तजनों द्वारा सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का पाठ हुआ और श्री हनुमान जी की सामूहिक आरती हुई, व शयन आरती के पाश्चात्य सभी भक्तजनों में भंडारा प्रसादी का वितरण हुआ। मंदिर सचिव रवि छाबड़ा ने बताया कि सामूहिक श्री हनुमान चालीसा व आरती विगत कई वर्षों से श्री हरि मंदिर प्रांगण में हो रही है,जिस में सभी आयु वर्ग में लोग सम्मिलित होते है, विशेष कर युवाओं का जागरूक होना विशेष है। आज के कार्यक्रम में मंदिर अध्यक्ष सुशील अरोरा,सचिव रवि छाबड़ा,

स्वच्छता सर्वेक्षण में बरेली नगर निगम नंबर वन आने की तैयारी शुरू

पिछले साल बरेली नगर निगम ने स्वच्छता में देश के टॉप शहरों में बनाई थी जगह

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। स्वच्छता सर्वेक्षण 2026 की तैयारी जोरों पर है। जनवरी माह में आने वाली स्वच्छ भारत मिशन के तहत केंद्रीय टीम की सीधी नजर शहर की स्वच्छता पर रहेगी। इसे लेकर नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारियों के साथ सरकारी मशीनरी पूरी तरह से सक्रिय हो गई है। केंद्रीय टीम 26 जनवरी के बाद शहर का दौरा कर स्वच्छता का सर्वेक्षण करेगी। अधिकारी लगातार सफाई के स्तर की समीक्षा कर रहे हैं और सुनिश्चित कर रहे हैं कि कचरा प्रबंधन, नालियों की सफाई, सड़कों की सफाई और सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता का स्तर उच्चतम मानक के अनुसार हो। बरेली नगर निगम ने पिछली साल स्वच्छता रैंकिंग में देश के टॉप 20 शहरों में जगह बनाई थी। तीन से दस लाख की आबादी वाली श्रेणी में बरेली शहर ने



60 सीढ़ियां चढ़कर देश में 20वां स्थान हासिल किया था। इसके साथ ही कचरा मुक्त शहर की रैंकिंग में लगातार दूसरी बार एक स्टार मिला था। डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन, कूड़ा निस्तारण, सार्वजनिक शौचालय बढ़ाने और जगह-जगह कचरा फेंकने पर कार्रवाई करके यह संभव हो पाया था। इस बार 26 जनवरी के बाद एक बार फिर देश की चार हजार से अधिक नगर पालिकाओं और प्रदेश के 653 नगर निकायों का सर्वेक्षण शुरू होने जा रहा है।

नगर निगम ने इस सर्वेक्षण को शहर की स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का अवसर बताते हुए शहरवासियों से अपील की गई है कि वे कचरा उचित स्थानों पर डालें और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ बनाए रखने में मदद करें। सभी वार्डों में धरातल पर परखेगी सफाई व्यवस्था स्वच्छ सर्वेक्षण की टीम शहर के सभी 80 वार्डों के 80 मोहल्लों में जाकर धरातल पर सफाई व्यवस्था की स्थिति को परखेगी।

बच्चे की आंत में थी दिक्कत झोलाछाप डॉक्टर ने कर दिया अंडकोष का ऑपरेशन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बारादरी क्षेत्र में क्लीनिक खोलकर बैठे झोलाछाप ने आंत की बीमारी से जूझ रहे बच्चे के अंडकोष का ऑपरेशन ही कर डाला। अधिक खून बहने के कारण जब बच्चे की हालत बिगड़ गई। तभी परिजन पीड़ित बच्चे को लखनऊ पीजीआई लेकर गए तो झोलाछाप की करतूत का पता चला।

बच्चे के पिता ने बारादरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। डोहरा गौटिया निवासी शिशुपाल के पुत्र अजय के पेट में समस्या थी। शिशुपाल ने अजय को बारादरी क्षेत्र सनराइज कॉलोनी के पास स्थित पृथ्वी फार्मा

क्लीनिक पर दिखाया। वहां झोलाछाप जयवीर ने बताया कि अजय के निजी अंग में समस्या है, जिसे चीरा लगाकर ठीक कर दूंगा। जयवीर ने बताया कि ऐसे ऑपरेशन कर कई मरीजों को ठीक कर चुका है। आरोपी ने 20 हजार रुपये वसूले – शिशुपाल के मुताबिक जयवीर ने ऑपरेशन करने के लिए 20 हजार रुपये छह दिसंबर को जमा करा लिए। जयवीर ने अजय को कमरे ले जाकर ऑपरेशन कर दिया। इसके बाद 25 दिन में तीन बार टांके बदले और रोज पट्टी भी की। पट्टी के 500 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से वसूले। अजय के लगातार रक्तश्राव होता रहा जिसके कारण

उसकी हालत बिगड़ गई। पीजीआई में भर्ती से किया इनकार शिशुपाल अपने पुत्र अजय को लखनऊ पीजीआई लेकर गए तो वहां डाक्टरों ने बताया कि अजय की आंत में समस्या है जबकि उसके अंडकोष का गलत ऑपरेशन कर दिया गया है। पीजीआई में अजय को भर्ती करने से मना कर दिया। बाद में पता चला कि जयवीर झोलाछाप है उसके पास कोई डिग्री नहीं है। जयवीर से शिकायत की तो आरोपी ने फर्जी मुकदमे में जेल भिजवाने की धमकी दी। इसके बाद पीड़ित ने बारादरी थाने में तहरीर दी, जिसके आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

जनगणना में प्रत्येक परिवार से भरवाई जाएगी 34 प्रश्नों की सूची

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जनपद में जनगणना कराने की तैयारियां तेज हो गयी हैं। जनगणना की शुरुआत से पूर्व मकानों की गणना की जाएगी। जनगणना कराने के दौरान प्रत्येक परिवार से 34 प्रश्नों की सूची भरवायी जाएगी। जनगणना पूरी तरह पेपरलेस होगी। जिलेभर में 700 से 800 प्रगणक फील्ड कार्य के लिए नियुक्त किए जाएंगे। 6 प्रगणकों पर एक सुपरवाइजर की नियुक्ति होगी। पदाधिकारियों को नियुक्ति कर दी गयी है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक हुई। कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक में बताया गया कि भारत सरकार एवं राज्य सरकार की ओर से समय-समय पर जारी निर्देशों के अनुसार जनगणना-2027 के कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए जिला जनगणना समन्वय समिति गठित की गयी है। सीनियर इन्वेस्टीगेटर जनगणना विभाग (नोडल बरेली) राकेश



सिंह ने बताया कि इसमें किसी निश्चित क्षेत्र में रहने वाले लोगों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति का आकलन किया जाता है। बैठक में जनगणना की प्रारंभिक तैयारियां, प्रशिक्षण, मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना, जिला जनगणना, हस्तपुस्तिका, जनसंख्या की गणना, वित्त एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र, आंकड़ों के प्रकाशन एवं सारणीकरण आदि कार्यों को 30 जून तक निर्धारित समय में पूरा कराने के बारे में बताया गया। बैठक में यह भी जानकारी दी गयी कि जनगणना पदाधिकारियों की नियुक्ति कर दी है। जनगणना की शुरुआत

से पहले जनपद में मकानों की गणना होगी। पोटल पर स्वगणना का भी प्रावधान है। प्रत्येक परिवार से 34 प्रश्नों की सूची भरवाई जाएगी। मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण लखनऊ व प्रगणकों व सुपरवाइजर का प्रशिक्षण जनपद स्तर पर होगा। जिलाधिकारी ने समिति में शामिल सदस्यों से जनगणना के कार्य प्राथमिकता से करने पर जोर दिया। बैठक में नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य, अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व) संतोष कुमार सिंह, सभी तहसीलदार, नगर निकायों के ईओ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए – 9027776991

संक्षिप्त समाचार

पंडित दीनदयाल उपाध्याय वृहद पशु आरोग्य शिविर मेले का आयोजन 31 जनवरी को

फरीदपुर के ग्राम पंचोमी में 8 बजे से शाम 5 बजे तक क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने अवगत कराया कि मण्डल स्तरीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय वृहद पशु आरोग्य शिविर/मेले का आयोजन आगामी दिनांक 31 जनवरी 2026 को तहसील फरीदपुर की ग्राम सभा पंचोमी में प्रातः 08.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक किया जाएगा। उक्त शिविर/मेले में आये पशुपालकों को सरकार की लाभकारी योजनाओं एवं नवीनतम तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराने के साथ ही निःशुल्क सामान्य चिकित्सा, टीकाकरण, नर पशुओं का बंधियाकरण, लघु शल्य चिकित्सा, बाँझपन-निवारण, कृत्रिम गर्भाधान एवं रोग निदान आदि सुविधाएं उपलब्ध करायी जायेंगी।



लंबे इंतजार के बाद अब जल्द शुरू होगा सिटी स्टेशन रोड का निर्माण

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। नगर निगम अब लंबे इंतजार के बाद सिटी स्टेशन रोड का निर्माण शुरू कराने जा रहा है, न ग र निगम से ल ग भ ग प ा ं च क र ओ ड़ रुपए की धनराशि मिलने के



बाद लोक निर्माण विभाग ने टेंडर प्रक्रिया पूर्ण कर ली है। जल्द ही 1200 मीटर के सीसी रोड का निर्माण शुरू हो जाएगा। सिटी रेलवे स्टेशन के सामने चौपला पुल से किला पुल तक जलभराव के चलते सड़क बार-बार क्षतिग्रस्त हो जाती है। पिछले वर्ष सितंबर में पीडब्ल्यूडी ने स्थाई समाधान ढूँढते हुए डामर की जगह सीसी रोड बनाने का फैसला किया था। 1200 मीटर सड़क के निर्माण के लिए नगर निगम को करीब पांच करोड़ रुपये देने थे।

बजट मिलने की भावना को देखते हुए लोक निर्माण विभाग ने टेंडर निकाल दिया था। हालांकि बजट न मिलने के कारण टेंडर को निरस्त करना पड़ा था। अब बजट मिलने के बाद टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। जल्द ही इसका निर्माण शुरू हो जाएगा। जल भराव की समस्या से निपटने के लिए सड़क की मोटाई करीब 30 इंच रखी जाएगी। इसकी चौड़ाई 8 मीटर निर्धारित की गई है। एक्सईएन भगत सिंह ने बताया कि चयनित फर्म सिटी स्टेशन की तरफ वाली 1200मीटर सड़क को बनाएगी। जल भराव को ध्यान में रखते हुए जल निकासी की समुचित व्यवस्था की जाएगी।

दो लाख रिश्तत मांगने के आरोप में ईओ के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। फतेहगंज पश्चिमी में बिना नोटिस दिए दुकान तोड़ने का विरोध करने के दौरान हुए विवाद में औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता %%%नंदी%% ने अपर मुख्य सचिव (गृह) को निर्देश दिए हैं कि अधिशासी अधिकारी पुष्पेंद्र राठौर के विरुद्ध व्यापारी राहुल गुप्ता की दुकान नोटिस दिये बगैर तोड़े जाने के विरुद्ध नियमानुसार एफआईआर दर्ज कराते हुए प्रकरण की जांच कराकर कठोर कार्रवाई करें। अपर मुख्य सचिव गृह को लिखे पत्र में मंत्री नंदी ने कहा है कि नगर पंचायत फतेहगंज पश्चिमी के अधिशासी अधिकारी पुष्पेंद्र राठौर ने पद का दुरुपयोग करके व्यापारी राहुल गुप्ता की दुकान 2 लाख की रिश्तत न देने पर बिना नोटिस अतिक्रमण के नाम पर जेसीबी से तोड़ दी। प्रांतीय उद्योग व्यापार मण्डल के अध्यक्ष आशीष अग्रवाल ने जब व्यवसायी राहुल की दुकान तोड़ने के बारे में जानकारी मांगी तो अधिशासी अधिकारी ने उल्टा आशीष के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करा दिया। पीड़ित ने स्वयं पर झूठा मुकदमा निरस्त कराने एवं व्यवसायी राहुल गुप्ता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कराते हुए दोषी के विरुद्ध कार्रवाई का अनुरोध किया है। तथ्यों के दृष्टिगत नियमानुसार अधिशासी अधिकारी के विरुद्ध राहुल गुप्ता की दुकान नोटिस दिये बगैर तोड़े जाने के मामले में एफआईआर दर्ज कराएं।

संक्षिप्त समाचार

दोनों मोटरसाइकिल की
आमने सामने टक्कर दो घायल



क्यों न लिलचूँ सब / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती जिले की
 भर था
 रोशनगढ़
 ग.। म
 पंचायत
 क्षेत्र में
 एक सड़क
 हादसा
 हुआ।
 इसमें दो
 मोटोसाइकिलें
 आमने -



बुजुर्ग का शव खेत मे मिलने से हड़कंप

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। सिरिसिया थाना सिरिसिया क्षेत्र अन्तर्गत सुइयां गांव में एक वृद्ध की संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिला है। यह शव भारत-नेपाल सीमा से लगभग पांच सौ मीटर दूर एक खेत में पड़ा मिला है, जिसे सुबह ग्रामीणों ने देखा। शव की पहचान भूतना गांव निवासी आशा राम उर्फ सर्रा (68 वर्ष) पुत्र होली के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस और एसएसबी टीम मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल में जुट गई है। सिरिसिया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों के अनुसार आशा राम शराब के नशे का आदी था, हो सकता है कि अत्यधिक शराब के सेवन की वजह से उसकी मौत हुई हो। इस मामले में पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

एकता सिंह बनी महुआ खेड़ा थाना की प्रभारी

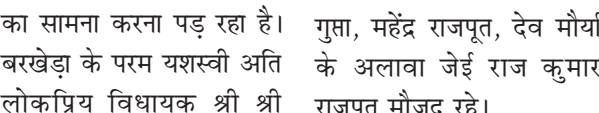
क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ एसएसपी. नीरज कुमार जादौन ने महिला एकता सिंह को थाना महुआ खेड़ा का प्रभारी बनाया महुआ खेड़ा थाना सिंह ने चार्ज संभालते ही अपने पहचान की उसके थाना क्षेत्र का सभी दरोगा व को सख्त निर्देश किसी भी कीमत पर बक्शा नहीं जाएगा अपराध छोटा हो या बड़ा अपराध का खात्मा करना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। अवैध शराब, जुआ, सट्टा, गंजा, गोकशी महिलाओं के साथ छेड़छाड़ जैसे घलन्य अपराध कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा सखतौर से दवालों का थाने में प्रवेश किसी भी कीमत में नहीं किया जाएगा जनता के बीच रहकर जनता को न्याय देने आई हूँ मेरे क्षेत्र में जो भी अपराधी हैं या तो वह अपराध छोड़ दें या फिर मेरा क्षेत्र फिरोजाबाद में भी अपने सख्त तेवर और सख्त कार्रवाई से जानी जाती थी इंसपेक्टर एकता सिंह फिरोजाबाद में महिला थाने का चार्ज उन्होंने बड़ी मजबूती से संभाला था पूर्व अलीगढ़ एएचटीयू प्रभारी रही

सिगरेट के पैसे को लेकर
विवाद, दुकानदार से मारपीट;
तीन आरोपी गिरफ्तार

क्यों न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ के थाना अकराबाद क्षेत्र के कस्बा विजयगढ़ बाजार में सिगरेट के पैसे न देने को लेकर विवाद के बाद दुकानदार के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि कुछ दबंग युवकों ने दुकानदार के साथ जमकर मारपीट की, जिससे उसका सिर फट गया। घटना के बाद बाजार में मौजूद व्यापारियों में आक्रोश फैल गया। व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने मारपीट करने वाले तीन युवकों को मौके पर पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। सूचना मिलने पर इलाका पुलिस मौके पर पहुंची और घायल दुकानदार को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों को थाने ले जाकर पृथक्ता शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। यह घटना थाना अकराबाद क्षेत्र के कस्बा विजयगढ़ बाजार की बताई जा रही है।

भिखारीपुर 1008 महामंडले श्वर स्वामी
 धनकुना प्रवक्तानंद जी महाराज के पानव
 आदि। कारकिर्दी से आज गत पांच
 गांवों की दशकों से अपनी सुध लिए जाने
 करीब हेतु प्रतीक्षारत मझोला खिरका
 1 5 बहुरा आ संपर्क मार्ग का
 हजर शिलान्यास सम्पन्न हुआ। इस
 आवादी अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित
 क कपिल अग्रवाल ने कहा कि
 ल 1 भ महाराज जी भाजपा की
 मिलेगा। जनहितकारी सरकार और सभी
 ग्रामीणों PWD अधिकारियों का

1008 महामंडलेश्वर स्वामी
 प्रवक्तानंद जी महाराज के पावन
 करारविन्द से आज गत पांच
 दशकों से अपनी सुध लिए जाने
 हेतु प्रतीक्षारत मझोला खिरका
 बहुरा संपर्क मार्ग का
 शिलान्यास सम्पन्न हुआ। इस
 अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित
 कपिल अग्रवाल ने कहा कि
 महाराज जी भाजपा की
 जनहितकारी सरकार और सभी
 PWD अधिकारियों का
 क्षेत्रवासियों की ओर से आभार
 प्रकट किया।
 शिलान्यास के अवसर पर हरेन्द्र
 कुमार, नंद लाल, मोहम्मद
 सलीम अनोखे लाल, राकेश चंद्र



चारे की कमी और ठंड: मुरादाबाद के गोशाला में पांच पशु मरे,
चार की हालत गंभीर, सरकारी तंत्र की सभी कोशिश नाकाम

भटावली की अस्थायी गोशाला में पशुओं की हालत में हैं। भटावली की गोशाला में गोवंश और सोमवार को दो गोवंश की मौत हो गई। जेजुबानों की जान बचाने में लगे सरकारी तंत्र अस्थायी गोशाला में आंकड़ों के अनुसार 142 दिन में पांच गोवंश की मृत्यु हो चुकी है, गया था कि गोशाला में लंबे वक्त से हरे चारे क्रमजोरी के साथ बीमार पड़ रहे हैं। गोवंश की चपेट आए गोवंश धीरे-धीरे जान गवा एक से दो दिन में यह आंकड़ा और भी बढ़ गया। नगर स्थित साईं वेट केयर संस्था की गोवंश को मुफ्त चिकित्सा सेवाएं दीं। डॉ. में आई थी। इस दौरान कई पशु बीमार और साथ टीम गोशाला पहुंची। करीब 14 पशु बीमारी के अनुसार पशुओं को दवाई लगाई पशु की सुबह मौत होने की सचिव ने सूचना को हरा चारा, चौकर और गुड़ दिया जा रहा



पशु की सुबह मौत होने की सचिव ने सूचना दी थी। यह गोवंश पहले से बीमार था। इनमें कई चोटिल भी आए थे। बीमार पशु पर ठंडा को हरा चारा, चौंकर और गुड़ दिया जा रहा है। सभी व्यवस्थाओं पर ध्यान दिया जा रहा है। - स्वाति सिंह, खंड विकास अधिकारी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात कर बधाई दी। सीएम ने उनके नेतृत्व, संगठनात्मक अनुभव और दूरदर्शिता की सराहना करते हुए कहा कि पार्टी को नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी तथा उत्तर प्रदेश को भी निरंतर मार्गदर्शन प्राप्त होता रहेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनता



पार्टी के नवनिराचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात की और उन्हें बधाई के साथ उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। सीएम योगी मंगलवार को नई दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में नवनिराचित राष्ट्रीय अध्यक्ष पुरुषोत्तम भेंट किया और अपने पुष्प माला मीडिया एकाउंट 'एक्स' पर पोस्ट करके भी उन्हें पार्टी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष

मुख्यमंत्री ने अपनी पोस्ट में लिखा कि पूर्ण विश्वास है कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के यशस्वी मार्गदर्शन में आप अंत्योदय के पथ पर चलते हुए अपनी निष्ठा व समर्पण से संगठन को नई ऊंचाइयों प्रदान करेंगे एवं सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं में राष्ट्र प्रथम के भाव को और सुदृढ़ करेंगे। आपके उज्ज्वल कार्यकाल हेतु अनंत शुभकामनाएं।

ला में पांच पशु मरे, कोशिश नाकाम

जाने पर कई वाहन सवार तरह-तरह के बहाने बनाते नजर आए। किसी ने अस्पताल से लौटने का हवाला दिया, तो किसी ने दवा लेने जाने की बात कही। पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने और दोपहिये चालकों को हेलमेट पहनकर ही वाहन चलाने के लिए जागरूक किया।

Your blood pressure can rise even without salt and stress; scientists have discovered a surprising reason.

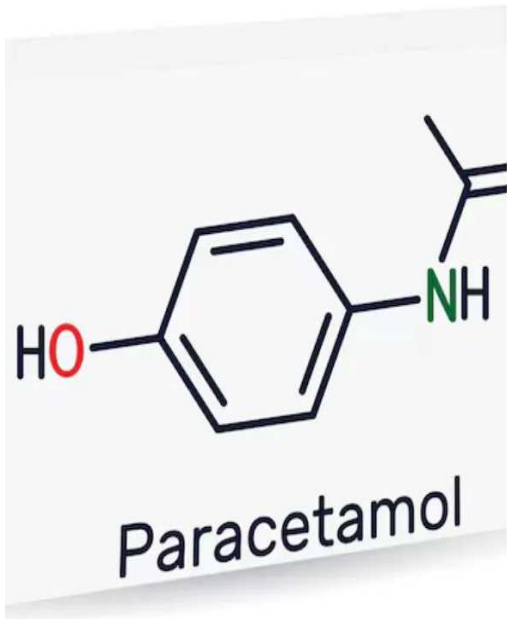
Do you also believe that reducing salt in your diet and avoiding stress will keep your blood pressure under control? If so, scientists at the University of Auckland in New Zealand have made a discovery that could completely change your to be the causes of high blood pressure. However, brains. The brain's lateral parafacial region is the exercise also increase blood pressure and constrict blood pressure treatment. We often believe that the or obesity. However, scientists at the University of research that is set to change old beliefs. They have brain is responsible for the increase in blood pressure of the brain is the real mastermind - According to in the lower part of our brain. Normally, this part such as digestion of food, breathing and controlling present in this part work to increase the blood coughing increase blood pressure? You will be increase blood pressure. When we laugh, exercise becomes active. Once activated, it activates the nerves space for blood flow decreases, increasing blood may develop chronic diseases like hypertension. Salt believed that the main causes of high blood pressure consumption. However, new research shows that the by sending signals to the heartbeat and the size of over-activate the brain, causing blood pressure to become uncontrolled. New hope for treatment: Scientists believe that this discovery could prove to be a boon for high blood pressure patients in the future. Now that we know that the root of the problem also lies in the nerves of the brain, in the future, instead of relying solely on medications, a simple and accurate treatment for this disease may be found. Learn the truth about this 'high blood pressure' from a doctor - Dr. Vineet Banga (Director - Neurology, Fortis Hospital, Faridabad) explained that your blood pressure can rise even without obesity or stress. There are many reasons behind this, which most people are unaware of. Let's learn about those reasons. Lack of physical activity - Just because you are thin doesn't mean you are safe. If you sit all day and don't exercise, it is a matter of concern. Lack of physical activity can harden your blood vessels, which increases the risk of high blood pressure. Lack of sleep - Sleep is deeply connected to our health. Not getting 6 to 8 hours of deep sleep daily disrupts the hormonal balance of the body. This hormonal imbalance can gradually increase your blood pressure. Genetic factors: Sometimes, the cause isn't our lifestyle, but our genes. If your parents have high blood pressure, it's possible you'll develop it too. Your weight or stress level doesn't matter; it can be passed down from generation to generation. Kidney and hormonal problems: If your kidneys aren't functioning properly, your blood pressure can rise. Additionally, problems with thyroid or adrenal hormones can also cause blood pressure to rise. Addiction to tea, coffee, and smoking: Excessive consumption of tea, coffee, energy drinks, and smoking are also major causes. These constrict our blood vessels, which can lead to sudden spikes in blood pressure. Other important factors: Drinking too little water throughout the day, excessive use of painkillers, and spending too much time in front of screens (mobile phones/laptops) can also increase your blood pressure. Therefore, it is very important to pay attention not only to weight and salt but also to your entire lifestyle.



thinking. Until now, we considered obesity, alcohol, and stress new research suggests that the real cause may lie within our main cause of high blood pressure. Laughing, coughing, and blood vessels. This new research is raising new hopes for high main causes of high blood pressure are our diet, excess salt, stress, Auckland in New Zealand have made a discovery in their new claimed that not only our lifestyle but also a specific part of our (Causes of High Blood Pressure). The 'lateral parafacial region' scientists, there is a special part called 'lateral parafacial region' controls the functions of our body which happen automatically, the heartbeat. But now it has come to light that some nerves pressure (Hidden causes of High BP). How does laughing and surprised to know that even our normal everyday activities can or cough loudly, this 'lateral parafacial region' of the brain that constrict blood vessels. When blood vessels constrict, the pressure in the body. If this process occurs repeatedly, a person and alcohol are not the only culprits. Until now, medical science were stress, excess salt in the diet, obesity, and alcohol brain is actually the "control room" that adjusts blood pressure the veins. Furthermore, certain proteins present in the body also

New study claims paracetamol poses no risk to the baby, calls fears of autism and ADHD unfounded

Women often complain of fever or body aches during pregnancy, but they are always apprehensive about taking the medication. If you too are worried about whether taking paracetamol will harm your unborn baby, this news is very paracetamol is safe to use during pregnancy. New Paracetamol is an important option for neurological disorders Paracetamol is a time of During this time, even a slight fever or body aches for my unborn child?" For some time, there has common fever medication, might be hindering a this fear completely unfounded. A new and large mother and child. New research published in The in the prestigious medical journal "The Lancet has refuted long-standing fears that taking Researchers have clarified that taking this of autism, ADHD, or intellectual disability in the To reach this conclusion, scientists from the in Europe conducted a comprehensive It used particularly precise methods that no significant differences in neurological during pregnancy and those who were not. This The gap between old fears and reality: In



guidance that suspected a link between paracetamol and autism. However, the new study has clarified that earlier studies had some flaws. According to the researchers, the previously reported risks may not be due to the drug itself (paracetamol), but rather to maternal illness, fever, pain, or genetic factors. Earlier studies failed to properly distinguish between these factors and the drug's effects. Treatment of fever and pain is important: Experts from the London School of Hygiene & Tropical Medicine supported this study. They say that not treating fever and infection during pregnancy can be more dangerous for both the mother and the fetus. Rudrarup Bhattacharya, a researcher at the University of Adelaide, Australia, also called this an important discovery. According to him, paracetamol remains an important and safe option for preventing fever and pain. Therefore, it can be taken without fear whenever medically needed. Do not ignore fever - Taking paracetamol during pregnancy does not increase the risk of autism or neurological disorders in the child. This conclusion has been reached after reviewing 43 studies. In earlier studies, 'mother's illness' was ignored, which led to misunderstanding. Leaving fever or pain untreated can be more risky during pregnancy.

Women's friendships don't weaken after 30, but rather deepen; read what new research says.

There's often a perception in our society that as women cross 30, their friendships fade. It's said that friends are left behind under the burden of increasing responsibilities. However, a recent study has completely disproved this old stronger and more lasting than ever. Women's and self-confidence—friends become emotional are left behind under the burden of responsibilities? of friendship? If you believe this, this article will changed this old belief. The truth is that after 30, and truer than ever before. This is the time when greatest support. What does the research say? - A interesting facts. According to this study, women who confidence than those who don't. As they age, their "chosen family." This closeness brings them - The age of 30 brings with it many significant for elderly parents—a woman needs support amidst as an "emotional anchor." This can be understood extremely difficult for Olivia, but her friends kept her from breaking down. Olivia says, "This is the time when true friends are recognized." Relationships are filled with understanding: Friendships in the 30s have a different kind of understanding than those in the 20s. No complaints: At this age, if there's a delay in responding to a message, friends don't complain; instead, they understand each other's busy schedules. Happiness in the little things: Instead of talking for hours, just a single voice note is enough to keep a relationship fresh and vibrant. By this age, women begin to understand themselves better, and this is why their friendships become more soulful, beyond appearances, and extremely comforting.



belief. The truth is that after 30, women's friendships become friendships become stronger after 30, improving mental health support and "chosen family." Do you also feel that after 30, friends Does the pursuit of marriage, children, and careers dim the spark bring a big smile to your face. A recent study has completely women's friendships don't weaken; rather, they become stronger friendship isn't limited to mere jokes and fun, but becomes life's study conducted by University College London revealed some have a "best friend" have significantly better mental health and women begin to consider their close friends not just friends but deep satisfaction in life. They become companions in difficult times challenges. Marriage, children, career ups and downs, and caring all of these challenges. In such difficult times, these friends serve from the experience of 31-year-old Olivia. The year 2025 was

My husband brainwashed me...Bigg Boss fame Sana Khan reveals the reason for leaving Bollywood

Sana Khan spoke about her simple marriage with Mufti Anas Syed and the allegations against her husband that he brainwashed her into leaving Bollywood and wearing the hijab. Bigg Boss fame Sana Khan reveals the truth husband brainwash her? Former been brainwashed by her husband into these rumors. Sana has also worked in announcing her decision to leave and businessman. In July 2023, their second child, Syed Hasan Jameel, that her husband brainwashed her into like Jai Ho and Toilet: Ek Prem Katha that she was brainwashed into leaving Bigg Boss 6, left the entertainment serve humanity and follow the orders Sana discussed her decision to step Anas Syed, and the persistent online Speaking about her wedding, Sana parents knowing. She said, "When our my mom and dad. No one even knew her mehendi ceremony, saying, "When I was getting my mehendi applied, the mehendi artist asked me what the groom's name was." I told him to leave it blank, we'll write it later. Sana replied to the trolls - Sana responded directly to the trolls, saying, "No one can brainwash you, that never happens. I wanted peace. A person can get money, fame, name and respect, but in the end, they keep searching for inner peace. I keep telling my husband that I couldn't have asked for anyone better than him. It was a really difficult decision, but I made it."



about why the actress distanced herself from showbiz - did her actress and Bigg Boss 6 fame Sana Khan was rumored to have leaving the industry. But now, Sana herself has responded to Bollywood films like Toilet: Ek Prem Katha. Just a month after showbiz in 2020, Sana married Mufti Anas Syed, a Muslim cleric first son, Syed Tariq Jameel, was born and in January 2025, entered their lives. Sana reacts to rumours - Sana has denied leaving Bollywood. Former actress Sana Khan, known for films and the web series Special OPS, has once again refuted claims Bollywood and changing her life. Sana, who rose to fame after industry at the peak of her career in 2020, citing her desire to of her Creator. In a recent conversation with Rashami Desai, away from showbiz, her secret marriage to Muslim cleric Mufti rumors that her decisions were influenced or forced upon her. explained how secretive the entire process was, with only her marriage was finalized, it was a top secret; no one knew except the groom's name." She recalled an awkward moment during

No men in the makeup room, no exit after 6:30, did this actress's husband turn her life into hell?

Bollywood boasts wealth and fame, yet many stars are gripped by loneliness, a fate they can never escape. In the 1950s, an actress secretly married a director 18 years her senior, but little did she know that this marriage would become the details: You've often heard people say that isn't present, your story is incomplete. A famous mistake" plunged her into a quagmire from years her senior proved very costly for the husband's arrogance turned her life into hell. The actress fell in love with this director. The to the point where she lost all hope of survival. Meena Kumari, who was married to the and Meena Kumari first met when the director Kamal Amrohi was introduced to Meena Amrohi cast her in his film "Anarkali." The film accident while returning to Mumbai from where Akshar Amrohi would visit her. A secret report in The Times of India, Amrohi visited the love with him. Kamal Amrohi was already 1952, with Meena Kumari's younger sister, his home in Sion, and Meena and Madhu returned to theirs. The two tried to keep their marriage a secret for a long time, but the news later leaked to the media. When Meena Kumari's family learned of their marriage, there were significant difficulties, but the actress remained firm on her decision. In 1953, Kamal Amrohi made the film "Dayara," in which he cast Meena Kumari, but her father was not agreeing to it. After unsuccessfully trying to convince her father, she moved to Kamal Amrohi's house in Sion. Amrohi began controlling Meena Kumari's life. Vinod Mehta, in Meena Kumari's biopic, revealed that once Kamal Amrohi began controlling her life. He wanted his wife to be known by his name. Meena Kumari didn't want to leave films, and she somehow convinced him. However, Kamal Amrohi placed several conditions before Meena Kumari would return to films. Two of these were that she return home by 6:30 pm and that no men would be in her makeup room. It is also said that Kamal Amrohi kept all the money Meena Kumari earned. Annu Kapoor mentioned on his show that once Meena asked for two rupees extra to pay the masseuse, and the director scolded her and threw her out of the house. In his biography, Vinod Mehta also mentions domestic violence against the actress. According to reports, during the muhurat of the film 'Pinjre Ke Pachhi', Kamal Amrohi's assistant got into a scuffle with Meena Kumari. When the actress called Kamal Amrohi, he asked her to come home, but instead of going to his house, the actress went to her sister's house and never returned. When the doctor's advice became an addiction - Meena Kumari was unable to sleep at night due to the ups and downs in her personal life. The doctor advised her to drink a small cap of brandy along with sleeping pills, but gradually it became an addiction and she started drinking alcohol. She died on March 31, 1972 due to a disease called liver cirrhosis.



the culmination of her life's sin. Who was that actress? Read no matter how much wealth and fame you achieve in life, if love actress of the 1950s and 60s lived a life of emptiness, whose "one which she could never find a way out. Marrying a director 18 actress. Initially, she received a lot of love, but gradually, her Who was this legendary actress? Read her story in detail below: humiliation she faced from her husband shattered this actress This actress, who died at the age of 38, was none other than renowned director-producer Kamal Amrohi. Kamal Amrohi was looking for a child actor for the film "Jailer." Years later, Kumari by Ashok Kumar on the set of "Tamasha." Kamal was signed, but on May 21, 1951, Meena Kumari met in an Mahabaleshwar. She was admitted to Sassoon Hospital in Pune, marriage with a director 18 years her senior: According to a hospital regularly for four months, and Meena Kumari fell in married, yet he secretly married the actress on February 14, Mahalika, as a witness. After the wedding, Amrohi returned to

No men in the makeup room, no exit after 6:30, did this actress's husband turn her life into hell?

Bollywood boasts wealth and fame, yet many stars are gripped by loneliness, a fate they can never escape. In the 1950s, an actress secretly married a director 18 years her senior, but little did she know that this marriage would become the details: You've often heard people say that no matter present, your story is incomplete. A famous actress of mistake" plunged her into a quagmire from which she her senior proved very costly for the actress. Initially, arrogance turned her life into hell. Who was this fell in love with this director. The humiliation she faced she lost all hope of survival. This actress, who died at married to the renowned director-producer Kamal the director was looking for a child actor for the film Kumari by Ashok Kumar on the set of "Tamasha." signed, but on May 21, 1951, Meena Kumari met in Mahabaleshwar. She was admitted to Sassoon Hospital marriage with a director 18 years her senior: the hospital regularly for four months, and Meena married, yet he secretly married the actress on February 14, 1952, with Meena Kumari's younger sister, Mahalika, as a witness. After the wedding, Amrohi returned to his home in Sion, and Meena and Madhu returned to theirs. The two tried to keep their marriage a secret for a long time, but the news later leaked to the media. When Meena Kumari's family learned of their marriage, there were significant difficulties, but the actress remained firm on her decision. In 1953, Kamal Amrohi made the film "Dayara," in which he cast Meena Kumari, but her father was not agreeing to it. After unsuccessfully trying to convince her father, she moved to Kamal Amrohi's house in Sion. Amrohi began controlling Meena Kumari's life. Vinod Mehta, in Meena Kumari's biopic, revealed that once Kamal Amrohi began controlling her life. He wanted his wife to be known by his name. Meena Kumari didn't want to leave films, and she somehow convinced him. However, Kamal Amrohi placed several conditions before Meena Kumari would return to films. Two of these were that she return home by 6:30 pm and that no men would be in her makeup room. It is also said that Kamal Amrohi kept all the money Meena Kumari earned. Annu Kapoor mentioned on his show that once Meena asked for two rupees extra to pay the masseuse, and the director scolded her and threw her out of the house. In his biography, Vinod Mehta also mentions domestic violence against the actress. According to reports, during the muhurat of the film 'Pinjre Ke Pachhi', Kamal Amrohi's assistant got into a scuffle with Meena Kumari. When the actress called Kamal Amrohi, he asked her to come home, but instead of going to his house, the actress went to her sister's house and never returned. When the doctor's advice became an addiction - Meena Kumari was unable to sleep at night due to the ups and downs in her personal life. The doctor advised her to drink a small cap of brandy along with sleeping pills, but gradually it became an addiction and she started drinking alcohol. She died on March 31, 1972 due to a disease called liver cirrhosis.



culmination of her life's sin. Who was that actress? Read the how much wealth and fame you achieve in life, if love isn't the 1950s and 60s lived a life of emptiness, whose "one could never find a way out. Marrying a director 18 years she received a lot of love, but gradually, her husband's legendary actress? Read her story in detail below: The actress from her husband shattered this actress to the point where the age of 38, was none other than Meena Kumari, who was Amrohi. Kamal Amrohi and Meena Kumari first met when "Jailer." Years later, Kamal Amrohi was introduced to Meena Kamal Amrohi cast her in his film "Anarkali." The film was an accident while returning to Mumbai from in Pune, where Akshar Amrohi would visit her. A secret According to a report in The Times of India, Amrohi visited Kumari fell in love with him. Kamal Amrohi was already